Fourteenth Loksabha

Session : 9
Date : 30-11-2006

Participants : Gangwar Shri Santosh Kumar

an>

Title: Reported agitation for creation of a separate Telengana state.

श्री संतोा गंगवार (बरेली): अध्यक्ष महोदय, चौदहवीं लोकसभा का संयुक्त अधिवेशन, 7 जून, 2004 को हुआ था जिसे महामहिम राट्रपति जी ने एड्रेस करते हुए तेलंगाना राज्य की घोाणा की थी। मैं आपके माध्यमसे सरकार को ध्यान दिलाना चाहता हूं कि ढाई वर्ा हो गए हैं और इस संदर्भ में तेलंगाना राज्यों की मांग के लिए काफी दबाव डाला गया, बहुत कुछ कहा गया और एक मंत्री के द्वारा त्यागपत्र भी दिया गया। परंतु दुर्भाग्य यह है कि यूपीए सरकार अपने किए हुए वायदों को पूरा करने की दिशा में कदम नहीं उठा रही है। मैं आपके संज्ञान में लाना चाहता हूं कि पिछले पचास वर्ाों से पृथक तेलंगाना राज्य की मांग तेलंगाना क्षेत्र के लोग करते आ रहे हैं। तेलंगाना की आबादी करीब तीन करोड़ से अधिक है और इसमें हैदराबाद, रंगारेड्डी, मेढक, करीमनगर, आदिलाबाद, महबूब नगर, वारंगल, खम्मम, नलगोंडा, निजामाबाद जनपद आते हैं। मैं आपसे कहना चाहूंगा कि करीब बीस ऐसे राज्य हैं जिनसे तेलंगाना की आबादी अधिक होगी। आर्थिक रूप से और हर दृटि से ये जनपद पिछड़े हैं और इस संबंध में स्टेट ऑर्गेनाइजेशन कमीशन की रिपोर्ट का उल्लेख नहीं करना चाहता लेकिन पैरा 386, 389, 376 और 378 में दिया है और एक पैरा में लिखा है कि

> "It will be in the interest of Andhra Pradesh as well as Telangana if for the present the Telangana area is constituted into a separate State which may be known as Hyderabad State."

मैं बताना चाहता हूं कि गरीबी इतनी है कि करीब पांच-छः वर्ाों में छः सौ से अधिक लोग आत्महत्या कर चुके हैं लेकिन सरकार इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रही है। वहां लोग अपने बच्चों को बेचे रहे हैं। अब आवश्यकता इस बात की है कि सरकार इस ओर ध्यान दे। इस संदर्भ में जो कहा गया है उस वायदे को पूरा करते हुए सरकार पृथक तेलंगाना राज्य की घोाणा इस सदन में करने का काम करे।